

1929-30 की महामंदी (**Great Depression**) आधुनिक इतिहास की सबसे गंभीर आर्थिक गिरावटों में से एक थी। इसके कई प्रमुख कारण थे:

### 1. शेयर बाजार का पतन (**Stock Market Crash of 1929**)

24 अक्टूबर 1929 को अमेरिका के शेयर बाजार में भारी गिरावट आई, जिसे "ब्लैक थर्सडे" कहा जाता है। निवेशकों ने घबराहट में शेयर बेचना शुरू कर दिया, जिससे बाजार ध्वस्त हो गया। इससे लोगों की संपत्ति का तेजी से मूल्य घटा और बैंकिंग प्रणाली पर दबाव बढ़ा।

### 2. बैंकिंग संकट और ऋण की असफलता

- शेयर बाजार में गिरावट के बाद कई बैंक दिवालिया हो गए क्योंकि उन्होंने लोगों के जमा धन को शेयर बाजार में निवेश किया था।
- बैंकों की विफलता के कारण व्यापार और उद्योग को नए ऋण मिलने बंद हो गए, जिससे आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो गईं।

### 3. कृषि संकट और अति-उत्पादन (**Agricultural Crisis & Overproduction**)

- अमेरिका और यूरोप में कृषि उत्पादन बढ़ा, लेकिन मांग स्थिर रही, जिससे कृषि उत्पादों की कीमतें गिर गईं।
- किसान कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गए, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ गई।

### 4. उपभोक्ता मांग में गिरावट (**Decline in Consumer Demand**)

- 1920 के दशक में अमेरिका और यूरोप में वस्तुओं का अत्यधिक उत्पादन हुआ, लेकिन मजदूरी में समान अनुपात में वृद्धि नहीं हुई।
- लोगों की क्रय शक्ति घटी और वे कम खर्च करने लगे, जिससे बाजार में मंदी आ गई।

### 5. संरक्षणवादी नीतियाँ और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में गिरावट

- अमेरिका ने स्मूट-हॉली टैरिफ एक्ट (**Smoot-Hawley Tariff Act, 1930**) के तहत आयात पर ऊँचे कर लगाए, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हुआ।
- अन्य देशों ने भी इसी तरह के टैरिफ लगाए, जिससे वैश्विक व्यापार में भारी गिरावट आई।

### 6. सोने की मानक प्रणाली (**Gold Standard System**)

- उस समय दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएँ गोल्ड स्टैंडर्ड प्रणाली पर आधारित थीं।
- जब अमेरिका ने मुद्रा आपूर्ति घटाई, तो कई देशों को भी अपनी मुद्रा की आपूर्ति कम करनी पड़ी, जिससे वैश्विक मंदी और गहरी हो गई।

### परिणाम

- उद्योग-धंधे बंद हो गए, बेरोजगारी चरम पर पहुँच गई, और करोड़ों लोग गरीबी में चले गए।

- अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों में सामाजिक व राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी, जिसका परिणाम द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45) के रूप में सामने आया।

संक्षेप में, महामंदी कई कारकों का संयुक्त परिणाम थी—शेयर बाजार की गिरावट, बैंकिंग प्रणाली की असफलता, कृषि संकट, संरक्षणवादी नीतियाँ, और वैश्विक व्यापार में गिरावट।